।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी, 16-31 जुलाई 2024 , 16-31 July 2024, • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 5 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु. 2 (Price 2/-)

पुरुषों का यौन उत्पीड़न नहीं होता ये सोचना गलत!

भारतीय न्याय संहिता में ऐसे पीड़ित युवकों संग 'अन्याय'

नई दिल्ली : नेटफ्लिक्स के चर्चित शो 'बेबी रेनडियर' में एक भयावह दृश्य दिखाया गया है जहां एक बाई-सेक्सुअल शख्स का यौन उत्पीड़न और बलात्कार किया जाता है। यह देखना कठिन है लेकिन भारत में सेक्सुअल क्राइम के शिकार पुरुषों के लिए वास्तविकता और भी डराने वाली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), जिसने आईपीसी की जगह ली है, इसमें धारा 377 को हटाने के कारण पुरुषों के खिलाफ सेक्सुअल क्राइम को मान्यता नहीं दिया गया है। ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अब पूरी तरह से ट्रांसजेंडर एक्ट 2019 पर निर्भर रहना होगा। इसमें महिलाओं से बलात्कार के कानून की तुलना में काफी कम सजा का प्रावधान है। आईपीसी और बीएनएस दोनों के तहत बलात्कार कानून, अपराधी को पुरुष और पीड़ित को महिला के रूप में परिभाषित करता है।

धारा 377 हटने पर उठाए जा रहे सवाल- इस बदलाव ने पुरुष और ट्रांसजेंडर सेक्सुअल अटैक के शिकार लोगों को कानूनी सुरक्षा के बिना छोड़ दिया है। LGBTQ+कार्यकर्ता और कानूनी विशेषज्ञ इस बदलाव की आलोचना करते हुए कहते हैं कि यह उन लोगों के साथ भेदभाव करता है जो पुरुष या महिला नहीं हैं। उनका कहना है कि इससे पुरुषों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ यौन हिंसा को कम करके आंका जाता है और अपराधियों को सजा से बचने का मौका मिलता है। लॉयर्स कलेक्टिव की डिप्टी डायरेक्टर और वकील तृप्ति टंडन कहती हैं, 'यह सोचना कि पुरुषों का यौन उत्पीड़न नहीं होता, सरासर गलत है। धारा 377 का इस्तेमाल पुरुषों की ओर से कई साल से उनके खिलाफ सेक्सुअल अटैक के मामलों में किया जाता रहा है। कानून उन हजारों लोगों को नजरअंदाज नहीं कर सकता जिन्होंने ऐसा किया है। वह बताती हैं कि इस दौरान चोट और गंभीर हालात जैसी धाराएं लागू की जा सकती हैं, लेकिन ये अपराध की यौन प्रकृति को नहीं दर्शाती है।

एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ता हरीश अय्यर कहते हैं कि जब वह नब्बे के दशक के अंत में एक सर्वाइवर के रूप में सामने आए, तो वह बहुत अकेले थे। अब, बहुत से लोग आगे आकर बोल रहे हैं। ऐसे में वही पुराने बहाने अब लागू नहीं होते। इसके अलावा, भले ही कोई तर्क दे कि पुरुषों के साथ ऐसा बहुत कम होता है, लेकिन ऐसे तर्क देने के लिए पर्याप्त कारण नहीं है कि इसे अपराध के रूप में क्रीकृत न किया जाए।

अल्टरनेटिव लॉ फोरम के संस्थापक सदस्य और 'लॉ लाइक लव: क्वीर पर्सपेक्टिव्स ऑन लॉ' के सह-संपादक अरविंद नारायण कहते हैं, 'अगर आप 377 के तहत केस लोड को देखें, तो हमने पाया कि बड़ी संख्या में गैर-सहमति से यौन संबंध के मामले हैं। यह निश्चित रूप से डराने-धमकाने और परेशान करने के तौर काम करता था। लेकिन बहुत अधिक दुर्व्यवहार गुप्त रूप से होते थे।' नारायण बताते हैं कि ट्रांस समुदाय में यौन हिंसा एक बहुत बड़ा मुद्दा है। वे कहते हैं कि अगर आप इसे केवल 2019 के ट्रांस एक्ट के तहत देखें, जहां सजा बहुत कम है, तो यह इशारा करता है कि आप दो प्रकार के शरीरों को कैसे देखते हैं। एक उच्च अधिकारों के साथ और दूसरा कम अधिकारों के साथ। यह भेदभावपूर्ण है।

बड़ा बाजार में अवैध पार्किंग से लोगों को नहीं मिल रही है राहत

कोलकाता (धर्मवीर कुमार सिंह) : कोलकाता : आखिर कब यह जाम और पार्किंग की समस्या खत्म होगी जो पिछले कई सालों से लगातार चली आ रही है। बड़ा बाजार में सुबह से लेकर शाम तक हजारों लोग सामान खरीदने के लिए आते हैं और यहां पर गाड़ी पार्किंग करते हैं । लोगों को यहां आने पर सबसे ज्यादा समस्या यहां की सड़कों पर चलने में होती है। जब भी आप हावड़ा से कोलकाता में जाते हैं तो आपको तमाम वह अवैध पार्किंग और जाम देखने के लिए मिलती है। ब्रेबर्न रोड,एमजी रोड और कैनिंग स्ट्रीट से गुजरते हैं लेकिन ब्रेबर्न रोड पर दोनों तरफ वाहनों की पार्किंग एवं उसके बीच में सड़क पर हॉकर बैठने से इस सड़क पर बस,बाइक, टैक्सी और अन्य वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती है। कुछ ऐसा ही हाल महात्मा गांधी रोड का था जब आप सियालदह से हावड़ा के लिए रवाना होते थे तो बीच का सफर एमजी रोड का होता था वहां भी ऐसे ही जाम लगा रहता था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सड़क पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग हटाने को लेकर दिये गये निर्देश के बाद पुलिस को एक्शन मोड में देखा गया। पुलिस ने मुख्य सड़कों पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने के साथ ही अवैध पार्किंग भी हटाया। लेकिन बड़ाबाजार, कैनिंग स्ट्रीट, मेहता बिल्डिंग, डलहौजी के अलावा अन्य मार्केट एरिया में विभिन्न सड़कों और फुटपाथ पर अभी भी अवैध तरीके से पार्किंग हो रही है। इसके कारण आम लोगों को पैदल चलने में दिकत आ रही है। वाहनों की रफ्तार ऐसी रहती है ऐसा लगता है कि वहां पैदल चलने वाले को कब ठोकर मार के निकल जाए यह कहा नहीं जा सकता है। पोस्ता थानांतर्गत बड़तल्ला स्ट्रीट, कलाकार स्ट्रीट और के.के.टैगौर स्ट्रीट के फुटपाथ के अलावा अन्य मार्केट एरिया पर अभी भी अवैध तरीके से वाहनों की पार्किंग की जा रही है और मनमाना ढंग से रुपए लिया जा रहे हैं। लेकिन स्लिप देना चाहिए हालांकि स्लिप नहीं दिए जा रहा। कुछ जगहों पर पार्किंग सिंडिकेट से जुड़े लोग पुलिस की एक्शन को देख कुछ देर के लिए वाहनों को कहीं और हटा दे रहे हैं और फिर दोबारा वहानों की पार्किंग कर रुपये वसूल रहे हैं।

वही एक बार पार्किंग की समस्या तो शालीमार स्टेशन में विकराल रूप धारण कर ली जहां पर मारपीट की नौबत आ गई। यह नोबत शालीमार के अलावा और दूसरा किसी जगह पर न आए इसके लिए प्रशासन को पूरा तैयार रहना होगा। बड़ाबाजार की तरह ही चांदनी इलाके में भी इन दिनों धड़ल्ले से पार्किंग किया जा रहा है यहां सुबह से लेकर शाम तक वाहनों को काफी धीरे-धीरे गुजरना पड़ता है। आलम यह है कि दोपहर के समय लोगों का गुजरना वहां से मुश्किल हो जाता है। यहां के फुटपाथ तक को वाहनों से भर दिया जाता है। इसके अलावा चांदनी इलाके के और भी कई सड़कों पर अवैध तरीके से वाहनों की पार्किंग की जा रही है।

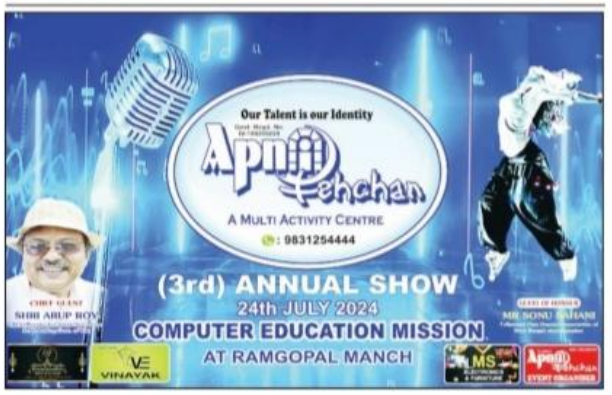

मेडिकल पॉलिसी के नवीनीकरण के नाम पर 33 लाख की धोखाधड़ी, दो गिरफ्तार

हावड़ा : चटजहाट थानांतर्गत भोलानाथ नंदी लेन निवासी मानस कुमार दास ने 10 फरवरी 2024 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी उन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी कि मेडिकल पॉलिसी के नवीनीकरण के नाम पर 33,03,786 रुपये की धोखाधड़ी हुई है पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की मामले को हावड़ा सिटी पुलिस की साइबर सेल को रेफर कर दिया गया फरवरी में जांच में उतरी साइबर सेल और सीसीडब्ल्यू की संयुक्त टीम ने 12 जुलाई को टेकोसिटी थाना, विधाननगर पीसी के अंतर्गत न्यूटाउन में हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में छापा मारा और दो आरोपियों ओडिशा के बालाशोर निवासी सुशील कुमार जेना (33) और सुदरगढ़, ओडिशा निवासी प्रणव प्रकाश भोई (44) को गिरफ्तार किया आरोपियों का पास से विभिन्न बैंक म्यूल खातों से जुड़े 13 डेबिट (एटीएम) कार्ड, विभिन्न अपराधों से जुड़े 38 सिम कार्ड, 4 मोबाइल फोन जिनमें से दो सीधे अपराध से जुड़े हैं, 3,17,000/- रुपये नकद, दो कारें, एक स्कोडा है और दूसरी होंडा सिटी तथा लाभाथ खातों के बैंक स्टेटमेंट बरामद किए शनिवार को दोनों आरोपियों को हावड़ा जिला अदालत में पेश करने पर दोनों को पुलिस हिरासत में भेज दिया

क्या है सीसीडब्ल्यू

पश्चिम बंगाल साइबर अपराध विंग (सीसीडब्ल्यू) की स्थापना प्रशासनिक निगरानी को केंद्रीकृत करने और पूरे क्षेत्र में साइबर खतरों से निपटने में परिचालन दक्षता को बढ़ाने की अनिवार्यता से प्रेरित है पश्चिम बंगाल पुलिस निदेशालय द्वारा प्रस्तावित इस पहल को 17 अक्टूबर, 2023 को स्थापना की गई है 1930 नं. पर फोन करके साइबर क्राइम से संबंधित शिकायत दर्ज कराई जा सकती है साइबर क्राइम विंग की डीआईजी साउथ जोन अंजली सिंह का कहना है कि 1930 पर फोन करने पर संग-संग कार्रवाई की जाती है 10 लाइन काम कर रही है और अगर किसी कारणवश लाइन व्यस्त आता है तो उक्त मोबाइल नं. पर सीसीडब्ल्यू की ओर से फोन कर शिकायत दर्ज की जाती है।

क्या है मामला : शनिवार को एक पत्रकार सम्मेलन में घटना के बारे में सीसीडब्ल्यू अर्थात साइबर क्राइम विंग की डीआईजी साउथ जोन अंजली सिंह ने बताया कि 33 लाख की धोखाधड़ी केस को लेकर चटजहाट थाना में 420/406 आईपीसी के अंतर्गत एक मामला दर्ज किया गया था शिकायत कर्ता मानस कुमार दास ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें एक मेल मिला, जिसमें एचडीएफसी आर्गो क्रिटिकल केयर मेडिकल पॉलिसी के नवीनीकरण का उद्देश्य दर्शाया गया था और उसके बाद किसी अज्ञात बदमाश ने उनके मोबाइल पर कॉल किया और उन्हें पॉलिसी के नवीनीकरण के लिए कहा और पॉलिसी वापस लेने का भी प्रस्ताव दिया उसके बाद शिकायतकर्ता ने जालसाजों के जाल में फंसकर कई किश्तों में कुल 33,03,786 रुपये तीन बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए इसके बाद भी जब कोई दोबारा उत्तर नहीं आया तो उन्हें समझ में आ गया कि वे जालसाजों के शिकार बन गए हैं फिर उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई स्रोत सूचना, तकनीकी इनपुट और सीसीडब्ल्यू की सक्रियता के आधार पर, साइबर अपराध पीएस, हावड़ा पीसी की एक टीम ने न्यूटाउन में हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में छापा मारा और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया अंजली सिंह ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि सावधान रहिए और जागुर रहिए और अपर आपको लगता है कि आप किसी फ्रॉड के शिकार हो गए तो अविलंब 1930 नं. पर पुलिस से संपर्क करें इस नं. पर शिकायत दर्ज होने पर पुलिस अविलंब उक्त बैंक खाते को सील कर देगी।

कॉलेज छात्रा ने दुबई में देश का फहराया झंडा

हावड़ा : उदयनारायणपुर के एक कॉलेज छात्रा दुबई में देश का झंडा फहराकर घर लौट आई। उदयनारायणपुर की कॉलेज छात्रा सुस्मिता देबनाथ उर्फ राय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुविध योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। सोमवार की रात घर पहुंची।सितंबर 2023 में भारत के उत्तराखंड में वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन योगासन स्पोर्ट्स इंडिया द्वारा आयोजित नेशनल प्रो एएम योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उदयनारायणपुर के माधवीलता कॉलेज ने कलात्मक योग में स्वर्ण, पारंपरिक योग में रजत और कांस्य पदक जीता। स्लो आर्टिस्टिक योगा सुष्मिता देबनाथ शारीरिक शिक्षा विभाग के चौथे सेमेस्टर की छात्रा हैं। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के बाद सुष्मिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीसरी एशियाई योग स्पोर्ट्स कप प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिला। यह आयोजन इस साल 25 से 27 जून तक दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया गया था। और उस प्रतियोगिता में हावड़ा और उदयनारायणपुर की सुष्मिता देबनाथ उर्फ राय ने भारत की ओर से पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व किया था। प्रतियोगिता में भाग लेकर उन्होंने दोबारा खेला। राय ने तीन श्रेणियों कलात्मक, पारंपरिक और लयबद्ध में देश के लिए स्वर्ण पदक जीते। यहीं नहीं उन्होंने 18 से 21 डिविजनल चैंपियन राउंड में दूसरे स्थान पर कब्जा कर भारत और बंगाल का नाम रोशन किया। पिता पेशे से रेडीमेड कपड़ा विक्रेता हैं और मां ममनी देबनाथ पेशे से एक निजी बैंक की अस्थायी कर्मचारी हैं। 10 साल की उम्र से ही उनका रुझान योग की ओर रहा है। वह दिवंगत शिक्षक अरूप मित्रा के योग विद्यालय में शामिल हुई। जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, उन्होंने योग को अपनी दैनिक आदत बना लिया। और उस अभ्यास और कड़ी मेहनत के कारण, यह बंगाल्या केवल 21 वर्ष की उम्र में सफलता के शिखर पर पहुंच गयी। 16 साल की उम्र में, उन्होंने योग सिखाने के लिए 'राय योग अकादमी' नामक एक स्कूल शुरू किया, जहाँ वह वर्तमान में कुल 100 छात्रों को नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लिए प्रशिक्षित करती हैं।

अगर हेयर ट्रीटमेंट हो, ऑर्गेनिक तो बात बन जाएं

कोलकाता (संघमित्रा सव-सेना) : अगर सौंदर्य की बात करें तो आंख के बाद अगर किसी का जिक्र होती है तो वह है हमारे बाल। चेहरे पर चार चांद लगाने वाले हमारे बाल शरीर के एक महत्वपूर्ण अंश है। एकमात्र बाल ही वह हिस्सा है जो पल में हमारी चेहरे में बदलाव लाकर एक नई लुक हमें दे सकती है लेकिन भाग दौड़ वाली जीवन शैली में हम अक्सर बालों पर ध्यान देना भूल जाते हैं। जिसके कारण बाल झरना, रूसी, क्यूटिकल डैमेज जैसी समस्या की शुरुवात होती है। इसके अलावा बालों पर बहुत ज्यादा केमिकल जॉब जैसे की हेयर स्टाइलिंग के दौरान बैक कॉम, स्प्रे की यूज, ड्रस पाउडर का यूज, सेमी परमानेंट कलर का इस्तेमाल, फंकी कलर करना, एक्सेक्सिव स्लीटेंट करना आदि से बाल अपनी प्राकृतिक सत्ता खो देती है और धीरे धीरे बेजान होने लगती है। ऐसे में...अनमोल इन बालों का कैसे रखा जाए ख्याल, कैमिकल फ्री कौन सा ट्रीटमेंट से हेल्थी रहेगा बाल। आज के समय में अगर केमिकल फ्री हेयर ट्रीटमेंट चाहते हैं तो, नैनोप्लास्टिया हेयर ट्रीटमेंट सबसे फायदेमंद हैं। यह न केवल डैमेज हेयर को रिपेयर करती है इसके साथ-साथ यह दो मुहे बेजान बालों को एक नई जान देती है। सिल्की और शाइनी देखने वाली बाल हर किसी का सपना होता है लेकिन यह सपना हमेशा सच नहीं होता। पर, अब यह संभव है और वोह भी,कोई साइड इफेक्ट के बिना। अब आप चुटकी में नैनो प्लास्टिया ट्रीटमेंट से अपने बालों को खूबसूरत बना सकते हैं।

क्या है नेनोप्लास्टिया-

नेनोप्लास्टिया हेयर ट्रीटमेंट दरहसल एक ऑर्गेनिक हेयर ट्रीटमेंट है। जिसमे कोई भी केमिकल का यूज नहीं होता है। इसमें फोरमल डीहाईड पूरी तरह से वर्जित है। फोरमल डीहाईड ब्यूटी प्रोडक्ट्स में प्रिजर्वेटिव का काम करता है। किसका केमिकल नाम मेथनॉल है। मेथनॉल का संकेतिक चिन्ह 2 हैं। यानी मेथनॉल में एक एटॉम कार्बन, टू एटॉम हाइड्रोजन और एक एटॉम ऑक्सीजन हैं। जो किसी भी प्रोडक्ट में प्रिजर्वेटिव का काम करता है। इसका साइड इफेक्ट है। नैनोप्लास्टिया हेयर ट्रीटमेंट ऐसा प्रिजर्वेटिव मुक्त हैं। और इसीलिए नैनोप्लास्टिया हेयर ट्रीटमेंट को ऑर्गेनिक हेयर ट्रीटमेंट कहा जाता हैं।

क्या खास बात है नैनोप्लास्टिया में?

* नेनोप्लास्टिया की नैनो ऑर्गेनिक पार्टिकल बालों में पेनिट्रेट होकर बालों की खूबसूरती बढ़ती है।
* बालों में मौजूद अमाइनो एसिड को मजबूत कर बालों की खूबसूरती को संवारती है।
* नेनोप्लास्टिया एक ऑर्गेनिक हेयर ट्रीटमेंट होने की वजह से, यह संपूर्ण साइड इफेक्ट से मुक्त है।
* जहां केराटिन जैसे हेयर ट्रीटमेंट से निकलते धुएं सर्विस प्रोवाइडर और क्लाइंट के लिए खतरनाक होता है, वही नैनोप्लास्टिया या बिलकुल सेफ है।
* विटामिन व न्यूट्रिएंट्स से भरपूर नैनोप्लास्टिया हेयर ट्रीटमेंट बालों को 90 प्रतिशत स्ट्रेट लुक देता है।
* दो से तीन महीना तक यह ट्रीटमेंट लॉन्ग लास्टिंग करती है।
* नैनोप्लास्टिया हेयर ट्रीटमेंट वर्जिन हेयर, कॉलर हेयर और फाईन हेयर पर कर सकते है।

मार्केट में नैनोप्लास्टिया की बहुत सारे प्रोडक्ट्स उपलब्ध है लेकिन जब बालों की बात है तब हमेशा हेयर एक्सपर्ट का कंसल्टेशन के साथ ही अपनी निर्णय ले और एक हेल्थी हेयर पाएं।

आयुष्मान अमित कुमार झा एवं आयुष्मति नीतू कुमारी के गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने पर 'बात हिन्दुस्तान' परिवार एवं इनके समस्त परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। 10 जुलाई 2024 को मेरठ के स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में परिणय सूत्र में बंधने के अवसर पर मां, भाई ,बहन, चाचा-चाची, मामा- मामी की ओर से इन्हें नवदंपति जीवन में प्रवेश करने पर सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए परमपिता परमेश्वर से दोनों पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना करते हैं।

शिक्षक की पिटाई से तीसरी कक्षा के छात्र का हाथ हुआ फैक्चर

कोलकाता (संघमित्रा सव-सेना) : शिक्षक ने मारकर छात्र की हाथ ही तोड़ दी। दरहसल, दक्षिण 24 परगना की गोरिया बॉरल मेन रोड का रहनेवाला राजू चौधरी का पुत्र रूपम चौधरी गोरिया बरदाप्रसाद अवैतनिक स्कूल में तीसरे कक्षा की छात्र है। मंगलवार रूपम स्कूल में ही खेल रहा था तब अचानक शिक्षक राहुल हालदार रूपम को खेलने से मना करता है और न सुनने पर बच्चे को खूब पिटता है। परिवार का आरोप है कि शिक्षक की अंधाधुन मार की वजह से बच्चे की हाथ टूट गई है। स्थानीय अस्पताल में ले जाने पर बच्चे की हाथ पर प्लास्टर किया गया है। घटना के बाद से इलाके में शिक्षक के खिलाफ गुस्सा फूट रही है। इधर रूपम की परिवारवालों ने घटना के खिलाफ नरेंद्रपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस घटना की जांच कर रही हैं।

पूर्व पार्षद की मदद से माता-पिता से मिला लापता बालक

हावड़ा : मंगलवार को रामकृष्णपुर घाट पर अपने माता-पिता से मिला बिछड़ा बालक। स्थानीय लोगों व पूर्व पार्षद शैलेश राय की मदद से पटना से लापता हुआ रितिक अपने माता-पिता से मिला। वह पिछले 18 दिनों से लापता था। पूर्व पार्षद शैलेश राय के अनुसार स्थानीय लोगों ने उसे पांच दिन पहले हनुमान मंदिर के आसपास घूमते हुए देखा। पूछताछ करने पर पता चला कि वह अपने किसी तरह रास्ता भटककर ट्रेन द्वारा पटना सिटी से हावड़ा चला आया है। इसके बाद स्थानीय युवक मुकेश गुप्ता और रिषभ सोनकर ने उसे रहने की जगह दी। लेकिन दो दिन बाद उसने युवकों से कहा कि वह अपने घर जाना चाहता है और मां से बात कराने को कहा। मोबाइल नंबर पता होने के कारण उसके घर फोन किया गया। और उसके घर के लोगों से बात कराई गई। मंगलवार को हावड़ा पहुंचने पर उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया।

बरसात में नदी किनारे शौच करने गया बुजुर्ग, पीछे से पकड़ लिया मगरमच्छ

कुशीनगर : भारत में मॉनसून अपने शबाब पर आ चुका है. ज्यादातर इलाकों में बारिश हो रही है. इस बीच कई जगहों पर बाढ़ के हालात बन चुके हैं। नदियां–नाले सब ओवरफ्लो हो रहे हैं. बीते कुछ समय से बारिश के मौसम में रेसिडेंशियल इलाकों में मगरमच्छ देखे जाने की घटनायें भी खूब सामने आ रही है। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर में भी एक ऐसी ही घटना देखने को मिली। यहां नहर के किनारे गए एक बुजुर्ग के ऊपर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग नहर के किनारे पेशाब करने गया था। वो आराम से बैठकर शौच कर ही रहा था कि तभी उसके ऊपर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। बुजुर्ग इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद वो चिल्लाने लगा. बुजुर्ग की चीख सुनकर आसपास के कुछ लोग आ गए. उन्होंने बुजुर्ग को लहूलुहान देखकर स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना खड्डा थाना क्षेत्र के गैनही जंगल की है. यहां रहने वाले साठ साल के कन्हैया नहर के किनारे पेशाब करने गए थे. वो बैठकर शौच कर ही रहे थे कि तभी नहर से एक मगरमच्छ निकला और उनपर हमला कर दिया. जब तक कन्हैया खड़े होते, तब तक मगरमच्छ उनका प्राइवेट पार्ट काटकर वापस नहर में चला गया. कन्हैया की चीख सुनकर आसपास के लोग वहां आ गए।

लोगों ने देखा कि नहर के किनारे कन्हैया लहूलुहान पड़े हैं। उनकी बाँडी से काफी खून बह रहा था. लोगों ने तुरंत उन्हें उठाया और नजदीकी अस्पताल ले गए, लेकिन कन्हैया की गंभीर स्थिति देखकर डॉक्टर्स ने उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया. वहां कन्हैया का इलाज चल रहा है। फिलहाल इस घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत है। कोई भी नहर के किनारे जाने से कतरा रहा है।

बरसात के मौसम में ऐसे फटता है बादल

उत्तराखंड : प्रकृति बेहद खूबसूरत है. इंसान के लिए प्रकृति एक मां की तरह है. इंसानों के पालन–पोषण के लिए प्रकृति ने हर तरह की चीजों का निर्माण कर रखा है. इंसान को जो भी चाहिए वो उसे मिल जाता है. लेकिन समय के साथ इंसान ने प्राकृतिक चीजों के साथ जैसा खिलवाड़ किया है, उससे बेहद खौफनाक घटनाएं हो रही हैं. शांत रहने वाली ये प्रकृति रह–रहकर ऐसा रौद्र रुप धारण करती है कि देखने वालों का कलेजा कांप जाए. उत्तराखंड में हर बीतते साल के साथ प्रकृतिक आपदाओं में बढ़त देखने को मिल रही है. जैसे–जैसे ट्रिरिज्म के नाम पर पहाड़ों को एक्सप्लॉइट किया जा रहा है, वैसे–वैसे इन घटनाओं में बढ़त देखने को मिल रही है. कभी कहीं भूस्खलन हो जाताहै तो कभी अचानक ही बाढ़ आ जाती है. पहाड़ों पर अचानक बाढ़ आने की वजह बादलों का फटना होता है. कुछ सालों पहले तक लोग समझ नहीं पाते थे कि बादल आखिर फटता कैसे है? अब सोशल मीडिया पर बादल फटने का लाइव वीडियो शेयर किया गया है। पहाड़ों से टकराए बादल फटने का एक घटना कैमरे में कैद किया गया. यह डरावनी सीन उत्तराखंड का है. चित्र में देखा जा रहा है कि एक बादल अचानक ही पहाड़ की चोटी से टकरा गया. इसके बाद उस बादल से ढेर सारा पानी अचानक ही एक जगह पर गिरने लगा. इस तरह से ही बादल फटते हैं. एक ही जगह पर पानी का सैलाब आसमान से गिर पड़ता है, जिससे इलाके में जलजला आ जाता है।

डॉ बिधानचंद्र राय के जन्म दिवस पर मरीजों के बीच फलों का वितरण

हावरा : डॉ बिधान चंद्र राय के जन्म दिवस के अवसर पर दक्षिण हावड़ा कांग्रेस की ओर से कई सेवा मुलक कार्यक्रम लिया गया, जहां कांग्रेस अपनी खोई हुई अस्तित्व को पुन हासिल करने के लिए एक बार फिर से अपने लोगों के बीच कार्यकर्ताओं को साथ लेकर लोगों से संपर्क का अभियान चालू किया है। इस दौरान दक्षिण हावड़ा स्टेट जनरल हॉस्पिटल में चिकित्सा का लाभ ले रहे मरीजों के बीच फलों का वितरण किया गया इस अस्पताल के बैंपस में कई पौधे लगाए गए पर्यावरण की रक्षा को ध्यान में रखते हुए वह आने वाले दिनों में और कई कार्यक्रम किए जाएंगे। दक्षिण हावड़ा कांग्रेस के अध्यक्ष हसन राजा ने बताया कि आने वाले समय में कांग्रेस को और मजबूती के साथ लोगों के समक्ष पेश करने के लिए हम लोग एक बार फिर से कई कार्यक्रम का आयोजन करने का फैसला लिया है दक्षिण हावड़ा में कांग्रेस पूरी तरह से मजबूत है यहां पर कांग्रेस की पकड़ काफी अच्छी है यही कारण है कि दक्षिण हावड़ा में एक बार हावड़ा नगर निगम चुनाव को नजदीक देखते हुए कमर कसने की तैयारी कर ली है। जहां डॉक्टर बिधन चंद्र राय के जन्म दिवस के अवसर पर कांग्रेस की ओर से कई कार्यक्रम किए गए वहीं आने वाले समय में और कई सारे कार्यक्रम किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में उपस्थित थे प्रहलाद राय, अमित कुमार समानता, समीर कुमार राय, आशीष मजूमदार ,अमित कुमार तिवारी (युवा कांग्रेस के अध्यक्ष) अपुरभा विश्वास, समीरन बेरा, इदरीश अली, देवाशीष भौमिक, प्रवीण घोष ,इंद्रनाथ खारा, दीपशिखा भौमिक, इसराफिल ,मानिक साहा व अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता।

विद्यार्थियों को मेधावी विद्यार्थी सम्मान

हावड़ा : परशुराम सेना पश्चिम बंगाल प्रदेश के तत्वावधान में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक में 80% पाने वाले विद्यार्थी को हावड़ा के शरत सदन में विद्यार्थियों को मेधावी विद्यार्थी सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश स्तुति नृत्य से किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित आकांक्षा सिंह असिस्टेंट कमिश्नर जी एस टी रेवन्यू , कर्नल राजीव श्रीवास्तव, पत्रकार कौशल किशोर त्रिवेदी, संस्था के संरक्षक बीरेंद्र पाण्डेय, डॉ शालिग्राम शुक्ल, रिसरा विद्यापीठ के प्रधानाचार्य प्रमोद तिवारी जी,लालजी शुक्ल व अन्य गणमान्य लोग ने किया। तदोपरांत हावड़ा ज्ञान पीठ विधार्थीयो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । मंच संचालन व अतिथि भाषण परशुराम सेना पश्चिम बंगाल प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष तिवारी ने किया। अतिथियों का सम्मान बबिता पाठक, सुजाता पाण्डेय, गंगा सागर तिवारी,कैलाश उपाध्याय,जय प्रकाश पाण्डेय, मनमोहन शुक्ल,आकाश पाण्डेय, प्रदीप दूबे, नीरज शुक्ला, नंदनी, कंचन तिवारी कृष्णमोहन शुक्ल,दीलीप दूबे राकेश गुप्ता, प्रिया मिश्र ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित रहे कोलकाता हाई कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट स्नेहा पाठक, प्रधानाचार्या निराला ठाकुर, अंजनी राय, अनिल सिंह, संजय सिंह, संजय पाण्डेय, गुड्डू पाण्डेय, गौतम शर्मा व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। परशुराम सेना पश्चिम बंगाल प्रदेश के अध्यक्ष सुनील शुक्ल ने संस्था के गतिविधियों पर प्रकाश डाला व धन्यवाद ज्ञापन किया।

आग्नेयास्त्र के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

उत्तर 24 परगना (संघमित्रा सक्सेना): आग्नेयास्त्रों के साथ गिरफ्तार पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। घटना न्यू बैरकपुर म्युनिसिपैलिटी के 4 नंबर वार्ड की है। बता दे कि गुप्त सूत्रों के आधार पर न्यू बैरकपुर थाना ने 4 नंबर वार्ड पर छापेमारी की थी। रैड के दौरान 3 अवैध आग्नेयास्त्र और 6 राउंड गोली, एक भोजाली, नौ मोबाईल फोन, छः एक्स्ट्रा बैट्रीज, इसके अलावा कई बैंक डॉक्यूमेंट्स, 200 कॉन्टैक्ट नंबर वाली एक डायरी, कई क्रेडिट और डेबिट कार्ड बरामद हुआ है। घटना में संदिग्ध सद्दाम हुसैन और एस के सहाबुल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छानबीन के दौरान, मिले सामानों के बारे में पूछा गया तो अभियुक्तों के पास कोई ठोस जवाब नहीं था। जिसके उपरांत न्यू बैरकपुर थाना ने मामला दर्ज कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

राजद का 28 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया

मधुबनी : राष्ट्रीय जनता दल जिला इकाई मधुबनी के द्वारा जिला कार्यालय मधुबनी में राजद जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव के अध्यक्षता में राजद का 28 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया. इस मौके पर राजद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सह विधायक समीर कुमार महासेठ ने कहा कि राजद एक पार्टी नहीं बल्कि विचारधारा है. पार्टी के सुप्रीमो संस्थापक लालू प्रसाद यादव को सामाजिक न्याय विरोधी लोग हर तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं, इसके बावजूद वे अड़िग हैं. अगर देश में राज कर रहे लोगों को किसी एक व्यक्ति से डर है तो वे हैं लालू प्रसाद यादव ,

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का काम की जिम्मेवारी हम सबों का बनता है कि उनके विचारों को गांव गांव तक पहुंचाएं एवं गरीब, वंचित, दलितों एवं अल्पसंख्यकों को लालू यादव ने ऊपर उठाने का काम किया एवं मान सम्मान देने का काम किया। राजद के स्थापना दिवस समारोह में हम सभी नेता एवं कार्यकर्ता यह संकल्प लेते हैं की लालू के पद चिन्हों पर चलने का काम करें। राजद जिला अध्यक्ष रामाशीष यादव ने कहा कि 10 सालो में भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाएं सबको नष्ट और भ्रष्ट किया जा रहा है। अफसोस तो तब होता है जब कोई संस्थान बड़ी मेहनत से खड़ी होती है। लोकतंत्र बड़ी मेहनत से खड़ा हुआ है। आजादी बहुत लोगों के शहादत के बाद मिली है। यह सब चीज नष्ट और भ्रष्ट दंगाई उन्मादी ना कर दे यह बहुत बड़ा खतरा हम लोग देख रहे हैं। श्री महासेठ ने कहा कि लेकिन फिर भी समाजवाद का झंडा बुलंद रहेगा। यह मैं भी जानता हूं कभी भी घनवान लोग इस भारत पर रूल नहीं कर सकते। इस भारत में हिंदू मुसलमानों का विवाद नहीं है यहां तो कट्टरपंथी हिंदुओं से उदारपंथी हिंदुओं से बराबर संघर्ष चल रहा है.

इस मौके पर राजद के वरिष्ठ नेता राजकुमार यादव, रामकुमार यादव, श्रीनारायण महतो, मनोज यादव,राजेंद्र यादव, जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय,संजय कुमार यादव इंद्रभूषण यादव, अजीतनाथ यादव, गंगा प्रसाद चौधरी, रामसुधिष्ट यादव, जयजय राम यादव, जिबछ यादव, पप्पू कुमार यादव, मो.जककी पम्मू,अरुण यादव,रुदल यादव, भारत पंडित, विजय यादव, सचिन कुमार यादव, ओमप्रकाश यादव,, सुमन यादव, कामेश्वर यादव, बुद्ध प्रकाश, गायत्री देवी, विभा कुमारी, भोगेंद्र यादव, महेश यादव समेत सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

हावड़ा के चित्रक वाइल्ड सोजॉर्न्स नेचर अवॉर्ड से सम्मानित

हावड़ा (अभिजीत हाजरा) : वाइल्ड सोजॉर्न्स नेचर अवॉर्ड और फेस्टिवल 2024 संपन्न हुआ। आपको बता दे कि हावड़ा बागनन का रह–नेवाला चित्रक प्रामाणिक को परिवेश योद्धा सम्मान से सम्मानित किया गया। सेंटर फॉर क्रिएटिव ऑडिटोरियम कोलकाता में आयोजित नेचर और वाइल्ड लाइफ पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सबसे बढ़िया परफॉर्मेंस के लिए चित्रक प्रामाणिक को पुरस्कृत किया गया। वाइल्ड सोजॉर्न्स नेचर अवॉर्ड पानेवाले सभी विजेताओं को 25000/ की धनराशि, मोमेंटो और प्रसंशापत्र दिया गया। वाइल्ड सोजॉर्न्स के मुखिया डॉक्टर मेघ रॉय चौधरी, डॉक्टर प्रसन्न एभी एवं वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट की प्रतिष्ठक डॉक्टर अनीश अंधेरिया सफल प्रतियोगी के हाथ में इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इंटरनेशनल वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर टामस विजयन और शिवांग मेहता इस अनुष्ठान में उपस्थित होकर सभी परिवेशविद की हौसला अवजई की।

बहुत मेहनत करती हूं 'डांस' पर : नोरा फतेही

द सुंदरबंस' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद वह 'क्रेजी कुकड़ फैमिली' मेंबजर आई, लेकिन दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं। ऐसे में उसने फिल्मों में बड़े रोल करने की चाहत को सीने में दबाए आइटम सांग्स की ओर रुख किया तो भरपूर मुखियां बटोरीं। इसके अलावा वह पंजाबी गानों और फिल्म 'बाहुबली' के 'मनोहारी' गाने में भी नजर आ चुकी है। 'बाहुबली' में नोरा ने जबरदस्त डांस किया और प्रभास के साथ इस गाने में उसकी कैमिस्ट्री भी काफी अच्छी रही। उसने फिल्म 'सत्यमेव जयते' के आइटम सांग 'दिलबर' से भी खूब सुर्खियां बटोरी। डांस से उसका शुरू से ही गहरा लगाव रहा है। वह बताती है, मेरी डांस जनी माधुरी (दीक्षित) मैम के गानों से शुरू हुई थी। 'धक धक ढोला रे ढोला', 'मार डाला उनके वे सारे गाने में अपने बेडरूम में लैपटॉप पर रिपीट मोड पर देखती थी और नकल करती थी।' 'जब फिल्म आज से आई तब मैंने सारी कोरियोग्राफी सीख ली और अपने स्कूल की सारी लड़कियों को यह डांस सिखाया था। हमने स्कूल में स्टेज पर भी वह डांस परफॉर्म किया। तो इस तरह माधुरी मैम मेरी डांसर और आर्टिस्ट बनने की वजह रही है। फिर रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में ही बतौर कंटेस्टेंट मैंने कई डांस फॉर्म सीखे। म्यूजिक वीडियोज किए और यहां तक पहुंच गई।' 'कई चीजें बदली हैं लेकिन एक चीज वैसी ही है, कि तब भी मैं खुद को साबित कर रही थी, आज भी खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हूं। अब भी कोई प्रोजेक्ट में साथ में लेती हूं सामने होती हूं, तो मुझे लगातार खुद को साबित करना होता है। आज अगर कोई डांस के लिए मेरी तारीफ करता है तो इसके पीछे बहुत ज्यादा मेहनत थी।' या कैमरे के 'जब भी मैंने कोई गाना किया, मुझे हर बार यही लगा कि मुझे खुद को साबित करना है। मैं अपने डांस मूव्स को और बेहतर करने की कोशिश करती थी, हर नए गाने के साथ वह रहता था कि मैं अपनी डांस स्टाइल को बदलू और कुछ नया लेकर आऊं।' 'कभी यह नहीं सोचा कि मैं इतनी अच्छ डांसर हूं, कोई नहीं है मेरी तरह। मेरी सोच हमेशा यह रही कि इसके आगे क्या? इसके बाद मैं दर्शकों को कैसे प्रभावित करूं। मैं सोचती हूं कि अगर मेरी इस परफॉर्मेंस से डायरेक्टर खुश होगा तो मुझे दूसरा प्रॉजेक्ट भी देगा। जबको के वक्त एक उस शो में मैं गैस्ट जज भी थी, तब भी मेरी सोच यही रहती थी कि मुझे खुद को जज के रूप में साबित करना है। आगे कभी कोई बड़ा शो होगा तो वे मेरे बारे में सोचेंगे।' 'जब मैं कोई अभिनय भी करती हूं, जैसे मैनेज बाटला हाउस' या 'सर' में किया, मैं सोचती थी कि मुझे अ काम करना है कि अगली बार कोई मुझे और बड़ी फिल्मावरील में से। मेरी यही क्वालिटी मुझे यहां तक लेकर आई है और सीसपुत प्रकट का हिस्सा बनने में मददगार बनी है।'

बहुत पसंद है 'बारिश' में भीगना : राशा थडानी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी किसी फैशनिस्टा से कम नहीं है, जिसने बेहद कम समय में ही अपने फैशन और स्टाइल से कई लोगों को सोशल मीडिया पर अपना फैन बना लिया है। ट्रेंड के साथ कैसे बने रहें और उन्हें परिभाषित भी करें, यह राशा अच्छी तरह जानती है। महज 19 साल की उम्र में ही उसे कुछ ब्रांड्स के लिए विज्ञापन मिलने लगे हैं। वह फोटोग्राफरों के सामने सहज हो सकती है, लेकिन एक 'स्टार किड' के रूप में अक्सर अपनी निजी जिंदगी और लाइमलाइट में आने के बारे में चर्चा करने से कतराती है। हाल ही में एक बातचीत में राशा ने बारिश के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की। उसने कहा, मानसून मेरा पसंदीदा मौसम है और मुझे पोखरों में इधर-उधर घूमना तथा बारिश में भीगना बहुत पसंद है। मैं जान-बूझ कर अपना छाता या रेनकोट घर पर ही छोड़ देती थी ताकि मुझे भीगने का बहाना मिल जाए। मुझे वह खुशी और उत्साह याद है, जो मुझे अपने चेहरे पर बारिश की बूंदों को महसूस करते हुए होता था। ये यादें ऐसी है जिन्हें मैं संजो कर रखती हूं और फिर से उन्हें जीना पसंद करती हूं। जब उससे पसंदीदा शौक के बारे में पूछा गया, तो राशा ने कहा, बारिश के मौसम में एक रूप हॉट चॉकलेट से बढ़कर कुछ नहीं है। प्रकृति को खूबसूरती को देखते हुए हॉट चॉकलेट पीना अविश्वसनीय रूप से सुखदायक और आरामदायक है! इसके अलावा, राशा ने बारिश के मौसम में अपने फैशन विकल्पों के बारे में भी बात करते हुए कहा, 'मेरे फैशन की बात करें तो मैं मानसून के दौरान इसे कैजुअल लेकिन मजेदार रखना पसंद करती हूं। मेरा पसंदीदा पहनावा जींस को एक जोड़ी, एक रंगीन टॉप और एक हल्की जैकेट है।' 'और, जैसा कि कोई भी मुंबईकर जानता है, आपके रोज के पहनावे में चार चांद लगाने वाले रंगीन क्रॉक्स (एक तरह की चप्पलें) की एक जोड़ी के बिना बरसात का कोई भी पहनावा पूरा नहीं होता।' राशा के फिल्मी करियर की बात करें तो वह और अमन देवगन एकसाथ फिल्म में डेब्यू करने जा रहे हैं।

मानसी पारेख ने सुनाए '500 वर्ष पुराने' महल में शूटिंग के मजेदार किस्से

अभिनेत्री और निर्माता मानसी पारेख ने 'करी : द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी सफल हिन्दी फिल्म से लेकर साऊथ की कुछ फिल्मों में भी काम किया है। हाल ही में गुजराती ब्लॉकबस्टर फिल्म 'झमकूड़ी' में काम करने वाली मानसी का कहना है कि यह गुजराती सिनेमा के लिए एक स्वर्ण युग है और वह चाहती थी कि उसकी नवीनतम रिलीज फिल्म का हर पहलू हिन्दी फिल्म की गुणवत्ता से मेल खाए। फिल्म पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए मानसी ने कहा, 'हमारे निर्देशक उमंग अपने दृष्टिकोण के बारे में बहुत स्पष्ट थे और हमारे साथ काम करने के लिए प्रोडक्शन, डिजाइन और वी. एफ.एक्स. में वह कुछ बेहतरीन लोगों को लाए। हम चाहते थे कि फिल्म का हर पहलू हिंदी फिल्मों से मेल खाए।' हम गोंडल में 500 साल पुराने महल में वृष्टिंग कर रहे थे। हम कुछ कुछ सीन शूट कर रहे थे, तो किसी

ने कहा कि उन्होंने सफेद कपड़ों में भूत को एक छोर से दूसरे छोर तक भागते हुए देखा है। सभी लोग एक-दूसरे को डराने और एक-दूसरे की टांग खींचने की कोशिश कर रहे थे।' मानसी ने फिल्म के सेट पर सकारात्मक माहौल पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'वहां कोई नकारात्मकता नहीं थी, केवल सकारात्मकता और आनंद था। हर कोई एक साथ आकर कुछ आनंददायक बनाने के लिए अविश्वसनीय रूप से खुश था। यह एक अद्भुत अनुभव और आनंद से भरा था।'

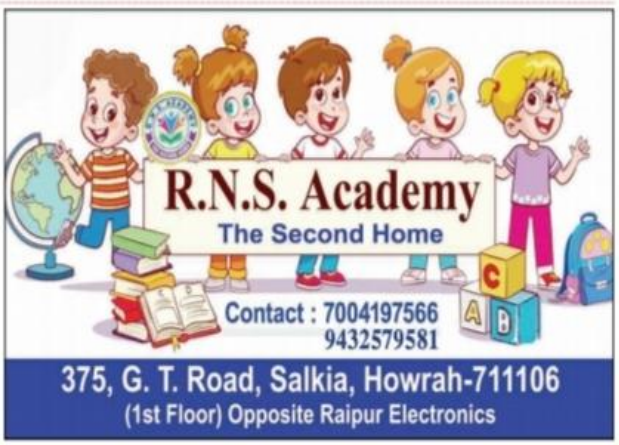

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-उमेश तिवारी, फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9796848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)